२।११ वकुलार्थ पत्रावली उपस्थित-सल। वकील प्रतिवादीगण। ने आज भी जवाब हेतु समय चाहा। जिस पर वकील वादी ने एतराज करते हुए विरोध किया कि बार-बार समय लिये जाते हैं

बावजूद भी इनके द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं किया जा रहा। ऐसा इनका काम टाला टालमटोल का है। अतः इनके जवाब का अधिकार बन्द किया जाकर एक्स., दावा स्वीकार फरमाया जावे।

हमने पत्रावली का ध्यान पूर्वक अवलोकन/अध्ययन किया। जिसमें प्रतिवादी के द्वारा बार-बार अवसर दिये जाने के बावजूद जवाब नहीं दिये जाने पर इनके जवाब का अधिकार बन्द किया जाकर वादी का दावा पत्र स्वीकार किया जाकर योग्य पाया जाने पर स्वीकार किया जाकर विस्तृत निर्णय पृथक से लिखाया गया एवं सुनाया जाकर शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली फैसला शुमार होकर बाद तकमील तकमील दाखिल दफ्तर की जावे। बाद इजलास सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी
(बीकानेर)

Scanned by CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramesh Dev
Date: 2019.12.03 11:40:49 IST
Reason: SelfAttested
Location: